लामडिंग दर्पण

पूर्वोत्तर सीमा रेल, लामडिंग मंडल

वर्ष 8 अंक 30 अप्रैल – जून 2017

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति का गुवाहाटी दौरा

निरीक्षण बैठक में भाग लेते हुए माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति के उपाध्यक्ष, सदस्य तथा रेलवे बोर्ड के अधिकारी सहित मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, पू. सी. रेल, मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग, अपर मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग, मुख्यालय मालीगॉव एवं लामडिंग मंडल के अन्य अधिकारीगण।

संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति 16.05.2017 से 25.05.2017 तक पूर्वोत्तर क्षेत्र के दौरे पर थी। 17 मई, 2017 को गुवाहाटी में भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी, मुख्य महाप्रबंधक/दूरसंचार/गुवाहाटी, कार्यपालक इंजीनियर, मध्य ब्रह्मपुत्र मंडल, केन्द्रीय जल आयोग/गुवाहाटी, राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केंन्द्र/ गुवाहाटी आदि के साथ बैठकें आयोजित की गई। उप-समिति ने कार्यकारी निदेशक स्थापना (आर)/रेलवे बोर्ड, निदेशक राजभाषा/रेलवे बोर्ड, मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक/मालीगॉव, मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग, अपर मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग तथा गुवाहाटी के पदाधिकारियों की उपस्थिति में गुवाहाटी रेलवे स्टेशन की निरीक्षण बैठक भी की।

मंडल में नई गाड़ियों का शुभारंभ

माननीय रेल राज्य मंत्री, श्री राजेन गोहांई माननीय विधायक, श्री केशव महंत, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री चाहते राम, मंडल रेल प्रबंधक/लामडिंग, श्री प्रमोद कुमार जैन तथा मुख्यालय मालीगॉव एवं लामडिंग मंडल के रेल अधिकारी एवं अन्य विशिष्ट व्यक्तियों की उपस्थिति में 8 अप्रैल 2017 को सिलघाट टाऊन से न्यूबंगाईगॉव के लिए डेमु रेल गाड़ी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन श्री एन.के.सुत्रधर, मंडल कार्मिक अधिकारी /प्रभारी/लामडिंग द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

शिलघाट टाऊन में आयोजित समारोह में उपस्थित अतिथि एवं गणमान्य व्यक्ति तथा रेलवे के अधिकारीगण। श्री राजेन गोहांई, माननीय केंद्रीय रेल राज्य मंत्री द्वारा समारोह को संबोधित करने का एक दृश्य।

विभिन्न यात्री सुविधाओं की परियोजनाओं का उद्घाटन

रंग भवन, मालीगांव में आयोजित कार्यक्रम का एक दृश्य।

माननीय रेल मंत्री, असम के माननीय राज्यपाल, माननीय रेल राज्य मंत्री तथा कई अन्य सांसद, विधायक और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा रंग भवन, मालीगांव में 6 मई, 2017 को विभिन्न यात्री सुविधाओं की परियोजनाएं ''रेल विद्युतीकरण'' रानीनगर जलपाईगुड़ी से गुवाहाटी, गुवाहाटी स्टेशन पर 700 किलोवाट ग्रिड इंटरैक्टिव सोलर पावर प्लांट, न्यू तिनसुकिया स्टेशन पर विपरीत रसाकर्षण जल शोधन संयंत्र और डिजिटल चार्ट प्रदर्शन प्रणाली तथा हारमती स्टेशन पर प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय का उद्घाटन किया गया।

रेल सप्ताह समारोह 2017 की कुछ झलकियाँ

27 अप्रैल 2017 को स्थानीय रेलवे इंस्टिट्यूट, लामडिंग में रेल सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वर्ष 2016-2017 के दौरान अपने सरकारी कामकाज में सराहनीय प्रदर्शन करनेवाले 101 कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार और 24 समूह पुरस्कार प्रदान किए गए।

रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित तथा संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग।

रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर कर्मचारियों को नकद पुरस्कार तथा योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग मंडल, श्री संजय नैय्यर।

रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर कर्मचारियों को नकद पुरस्कार तथा योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग मंडल, श्री प्रमोद कुमार जैन।

रेल सप्ताह समारोह, 2017 में नृत्य प्रस्तुत करती बालिकाएं

लामडिंग मंडल में नवागत अधिकारी

श्री रामाशीष यादव : आपने 06 जून 2017 को अपर मंडल रेल प्रबंधक लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री राजेंद्र चतुर्वेदी : आपने 23 जून 2017 को वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री अभिजीत घोष : आपने 20 जून 2017 को मंडल इंजीनियर (सा.) लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री मनीष कुमार : आपने 08 जून 2017 को मंडल यांत्रिक इंजीनियर (सवारी एवं माल डिब्बा) लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री देवाशीष देव : आपने 05 जून 2017 को मंडल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर मालीगॉव के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री ए. के. वैश्य : आपने 13 जून 2017 को सहायक मंडल इंजीनियर (विशेष) मालीगॉव के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री दीपक कुमार : आपने 18 मई 2017 को वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री रतनेश्वर पाठक : आपने 17 मई 2017 को वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री ललित कुमार : आपने 23 मई 2017 को सहायक कार्मिक अधिकारी/।।/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री दीपक गगोई : आपने 25 मई 2017 को सहायक मंडल इंजीनियर/।।/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री लुश्कर बोड़ो : आपने 12 मई 2017 को मंडल यांत्रिक इंजी./डीजल/न्यू गुवाहाटी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

डॉ उत्सव शुक्ला : आपने 24 अप्रैल 2017 को मंडल प्रचालन प्रबंधक/।/ लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्रीमती गुनीत कौर : आपने 24 अप्रैल 2017 को मंडल वाणिज्य प्रबंधक लामडिंग के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

श्री अनिल चंद्र बर्मन : आपने 05 अप्रैल 2017 को प्रधानाध्यापक/रेलवे उच्च विद्यालय/डिमापुर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया है।

लामडिंग मंडल में आप सभी अधिकारियों का हार्दिक स्वागत है।

अप्रैल 2017 माह के दौरान गुवाहाटी तथा गोगामुख में माननीय प्रधान मंत्री का दौरा तथा रैली के संबंध में करीमगंज-नारंगी, सिलचर-नारंगी, लामडिंग-नारंगी, धुबड़ी-कामाख्या, आमनि-नारंगी तथा कोकराझार-कामाख्या के मध्य छः विशेष गाड़ियाँ चलाई गई।

विविध गतिविधियों की झलकियाँ

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 06 जून 2017 को आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक, अध्यक्षा, मंडल रेल महिला कल्याण संगठन तथा मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित संगठित युनियनों के सदस्यों का एक दृश्य।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए मंडल रेल प्रबंधक, अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण।

19 जून 2017 को माननीय केंद्रीय रेलमंत्री द्वारा नई दिल्ली से रिमोट के माध्यम से कामाख्या मंदिर परिसर में एक नए यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्र के उद्घाटन का दृश्य।

डा०. बी. आर. अम्बेडकर की 126वीं जयंती के अवसर पर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, लमडिंग, श्री पी.के.जैन।

रेलवे तथा एनडीआरएफ की टीम द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल का एक दृश्य। मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग तथा वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी, लामडिंग द्वारा मॉक ड्रिल का अवलोकन करने का एक दृश्य।

गुवाहाटी स्टेशन के कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने के उद्देश्य से 23 जून 2017 को आयोजित हिंदी कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दृश्य।

कार्मिक कल्याण

अप्रैल-जून 2017 के दौरान सेवानिवृत्ति के 79 मामलों का निपटारा किया गया। सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पारंपरिक असमिया 'गमोछा' और पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीपीओ, चिकित्सा परिचय पत्र और पास परिचय पत्र भी प्रदान किए गए।

अवधि के दौरान अनुकंपा के आधार पर समूह 'घ' में 29 अभ्यर्थियों को तथा समूह 'ग' में 3 अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई।

अवधि के दौरान स्काउट एवं गाइड कोटा के अंतर्गत समूह 'घ' में 2 अभ्यर्थियों को तथा समूह 'ग' में 1 अभ्यर्थी को नियुक्ति प्रदान की गई।

सेवानिवृत्ति बैठक का एक दृश्य।

लामर्डिंग दर्पण

वर्ष 8 अंक 30 अप्रैल – जून 2017

मिज़ोरम में भारतीय रेल

वरिष्ठ इलैक्ट्रॉनिक डाटा प्रक्रमण प्रबंधक
लामर्डिंग

मिज़ो' शब्द की उत्पत्ति के बारे में ठीक से ज्ञात नहीं है। मिज़ोरम शब्द का स्थानीय मिज़ो भाषा में अर्थ है, पर्वतनिवासियों की भूमि। 19वीं शताब्दी में यहां ब्रिटिश मिशनरियों का प्रभाव फैल गया और इस समय तो अधिकांश मिज़ो लोग ईसाई धर्म को ही मानते हैं। मिज़ो भाषा की अपनी कोई लिपि नहीं है। मिशनरियों ने मिज़ो भाषा और औपचारिक शिक्षा के लिए रोमन लिपि को अपनाया। मिज़ोरम में शिक्षा की दर तेजी से बढ़ी हैं। वर्तमान में यह 88.8 प्रतिशत है, जोकि पूरे देश में केरल के बाद दूसरे स्थान पर है। मिज़ोरम शिक्षा के क्षेत्र में सबसे पहले स्थान पर आने के लिए बड़े प्रयास कर रहा हैं।

भारत जैसे विशाल देश में लंबी दूरी की परिवहन प्रणाली के लिए रेलवे सबसे सस्ती और प्रभावी विकल्प है। पूर्वोत्तर के राज्यों को शेष भारत से संपर्क करवाने में रेलवे की अहम भूमिका रही है। आने वाले समय में इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावनाएं प्रबल हैं। इसी प्रयास में वर्ष 2000 में ब्राडगेज ट्रेन को मिजोरम राज्य तक पहुँचाने के लिए एक 326 करोड़ रूपए की परियोजना को स्वीकृति दी गई तथा वर्ष 2016 में इसे समय-सीमा के अंदर पूरा भी कर लिया गया। जब 21 मार्च 2016 को एक ब्राड गेज ट्रेन काटाखाल से भैरवी, 84.25 किलोमीटर की दूरी को पूरा करके भैरवी पहुँची तब इस यात्रा में 10 स्टेशन, 52 मोड़, 16 प्रमुख पुल तथा 161 छोटे पुल थे।

पहाड़ी की तलहटी में स्थित यह स्टेशन एक अत्यन्त पिछड़े इलाके में है। यहाँ स्थित स्टेशन भवन का उपयोग न केवल रेलवे के कार्यो के लिए होता है बल्कि स्थानीय लोग इसका इष्टतम उपयोग अपनी बैठकों इत्यादि में तथा स्थानीय बच्चे परिभ्रमण क्षेत्र अपने क्रीड़ा स्थल के रूप में करते हैं। स्टेशन के समीप एक बाजार का भी विकास हो गया है। यह स्टेशन इस क्षेत्र के विकास की नाभिक स्वरूप है।

भैरवी स्टेशन का महत्व अनाज परिवहन के लिए है। मिजोरम में प्रायः सभी वस्तुएं महँगी मिलती हैं। खाद्य समस्या यहाँ विकट है। इस प्रदेश में प्रति महीने 4000 टन चावल की खपत है, पहाड़ी राज्य होने के कारण लगभग संपूर्ण अनाज अन्य प्रदेशों से पहुँचाया जाता है। भैरवी में रेलवे की एक साइडिंग है। यहाँ पहुँचने वाली प्रथम ब्राड गेज ट्रेन भी एक अनाज से भरे 42 डिब्बों की एक मालगाड़ी थी।

भारतीय खाद्य निगम का स्टेशन से 300 मीटर की दूरी पर एक गोदाम है। हालांकि माल ढुलाई इस स्टेशन का मुख्य कार्य है किन्तु यात्री ट्रेनों के द्वारा इस प्रदेश का शेष भारत से रेलवे संपर्क में सुधार का बहुत महत्व है।

इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि स्वयं प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी ने 27 मई 2017 को भैरवी के लिए एक यात्री रेलगाड़ी का उद्घाटन किया था।

प्रतिदिन चलनेवाली यात्री रेलगाड़ी में केवल स्थानीय लोग ही यात्रा करते हैं। प्रदेश के ऐंजल व कोलाशीब जैसे प्रमुख शहरों से भारत के मुख्य भू-भाग में जाने के लिए लोग या तो ऐजल से गुवाहाटी के लिए हवाई सफर या सिलचर के लिए टेक्सी लेते हैं। ऐजल में टेक्सी बुकिंग सेवा ही सबसे दृश्यमान है। अपर्याप्त परिवहन सुविधा के कारण राज्य में पहुंचना आसान नहीं है। राज्य का 90 प्रतिशत इलाका संकरी पहाड़ियों से घिरा है, इसलिए प्रशासन के लिए सड़कें बनाना आसान काम नहीं है। राज्य में लगभग 8,500 किमी. का सड़क नेटवर्क है जो राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा है। राज्य का ज्यादातर इलाका राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और जिला सड़कों से घिरा है। राज्य की राजधानी ऐजल के पास लेंगपुई हवाई अड्डा है जो कि कोलकाता हवाई अड्डे से जुड़ा है। यह असम के सिलचर हवाई अड्डा से भी जुड़ा है जो ऐजल से 200 किमी. दूर है। असम के सिलचर का रेलवे स्टेशन मिज़ोरम का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन है जो राजधानी से 180 किमी. दूर है। राजधानी ऐजल से राज्य के अन्य शहरों जैसे लुंगलेई, सेरछिप, कोलासिब, च्वांगते आदि के लिए एक हेलिकप्टर सेवा भी है।

वक्त अब बदलने वाला है। भारतीय रेलवे ने 16 मार्च 2015 को मिशन 2020 की घोषणा की है इसके अन्तर्गत ऐजल के समीप तक रेलवे का संपर्क स्थापित हो जाएगा। ₹ 2384 करोड़ की इस परियोजना पर काम त्वरित गति से चल रहा है, 51.38 किलोमीटर लंबी इस लाइन में 4 स्टेशन (होरतोकी, काऊपूइ, माऊलखान तथा साइरंग अंतिम टर्मिनल स्टेशन होंगे।) यह लाइन 130 पुल व 23 सुरंग से गुजरेगी। भैरवी से साइरंग लाइन, जो घने जंगलों से गुजरती है, में 23 सुरंग सबसे लम्बी 1766 मीटर, 38 मुख्य पुल, 6 ऊँचे पुल (सबसे ऊँचा पुल 117 मीटर का है) भैरवी से ऐजल जाते वक्त इस पर हो रहे काम को देखा जा सकता है।

भारतीय रेलवे ने अगस्त 2015 को एक सर्वेक्षण संपन्न किया जिससे इस लाइन को म्यांमार सीमा तक स्थित हमवनगबछुआह तक बढ़ाया जा सकेगा।

इसके पुरा होने पर मिजोरम में रेलवे का स्वर्णिम युग आएगा जब रेलवे न केवल मिजोरम में विकास का संदेश वाहक बनेगी बल्कि देश की राष्ट्रीय एकता, सामरिक पहुंच व शक्ति तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व को अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

– शील आशीष

संरक्षक
प्रमोद कुमार जैन
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
रामाशीष यादव
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादन एवं सहयोग
संजय कनौजिया
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय
आर. के. कोईरी
राजभाषा अधिकारी